IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 1, July 2025
Impact Factor: 7.67

छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना का प्रदेश के सुशासन में न्यायपूर्ण और समावेशी समाज के निर्माण में योगदान

मंजू बैरहा
सहायक प्राध्यापक, राजनीति विज्ञान विभाग,
वीरांगना रानी दुर्गावती शासकीय कन्या महाविद्यालय तखतपुर, बिलासपुर (छत्तीसगढ), भारत 495330
***Corressponding Author Email ID:** Manjubaraiha51@gmail.com*

शोध सारांश
यह शोध पत्र छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रारंभ की गई महतारी वंदन योजना का गहन विश्लेषण करता है, जिसका उद्देश्य प्रदेश में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और कल्याण को बढ़ावा देना है। यह योजना प्रत्येक पात्र विवाहित महिला को प्रतिमाह वित्तीय सहायता प्रदान करती है, जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार, निर्णय लेने की शक्ति में वृद्धि और सामाजिक–आर्थिक भागीदारी को प्रोत्साहन मिलता है। यह शोध पत्र महतारी वंदन योजना के विभिन्न आयामों की पड़ताल करता है, जिसमें इसके उद्देश्य, कार्यान्वयन की प्रक्रिया, लाभार्थियों पर इसका प्रभाव और विशेष रूप से छत्तीसगढ़ में सुशासन के संदर्भ में इसके योगदान का मूल्यांकन शामिल है। अध्ययन में पाया गया है कि यह योजना न केवल वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देती है बल्कि लैंगिक समानता को भी प्रोत्साहित करती है, जिससे महिलाओं को सशक्त बनाकर एक अधिक न्यायपूर्ण और समावेशी समाज का निर्माण होता है। इसके अतिरिक्त, यह योजना शासन की पारदर्शिता, जवाबदेही और सेवा वितरण की दक्षता को भी बढ़ाती है, जो सुशासन के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। इस शोध में गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों तरह के डेटा का विश्लेषण किया गया है, जिसमें योजना के दिशानिर्देशों, सरकारी रिपोर्टों और योजना के संभावित प्रभावों पर विशेषज्ञों के विचारों का भी समावेश है।

मुख्य शब्द-महतारी वंदन योजना, महिला सशक्तिकरण, वित्तीय समावेशन, सुशासन, छत्तीसगढ़, सामाजिक कल्याण।

प्रस्तावना

भारत में, विशेष रूप से ग्रामीण और अर्ध–शहरी क्षेत्रों में महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण एक महत्वपूर्ण विकासात्मक चुनौती रहा है। लैंगिक असमानता अक्सर महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वतंत्र होने और समाज में पूर्ण रूप से भाग लेने से रोकती है। इस पृष्ठभूमि में, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रारंभ की गई महतारी वंदन योजना एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में उभरती है, जिसका लक्ष्य महिलाओं को प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता प्रदान कर उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाना है। यह योजना न केवल महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक कदम है, बल्कि यह प्रदेश में सुशासन के सिद्धांतों को भी मजबूत करती है। सुशासन एक ऐसी शासन प्रणाली को संदर्भित करता है जो पारदर्शी, जवाबदेह, सहभागी, न्यायसंगत और प्रभावी होती है। महतारी वंदन योजना का सफल कार्यान्वयन इन सभी पहलुओं में योगदान दे सकता है।

यह शोध पत्र महतारी वंदन योजना की व्यापक समीक्षा प्रस्तुत करता है, जिसके तहत इसके उद्देश्यों, कार्यान्वयन की रणनीतियों और छत्तीसगढ़ के सुशासन पर इसके संभावित प्रभावों का विश्लेषण किया जाएगा। इसका उद्देश्य यह समझना है कि यह योजना महिलाओं के कल्याण और सशक्तिकरण के साथ–साथ शासन की गुणवत्ता को कैसे बढ़ा सकती है।

महतारी वंदन योजना - एक अवलोकन

महतारी वंदन योजना छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा शुरू की गई एक महत्वपूर्ण योजना है। इस योजना की शुरुआत 10 मार्च 2024 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के द्वारा की गई थी। जिसे राज्य की विवाहित महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। इस योजना के तहत, पात्र महिलाओं को प्रतिमाह ₹1,000 की वित्तीय सहायता सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की जाती है। यह राशि महिलाओं को अपनी दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करने, बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च करने, या छोटे व्यवसायों में निवेश करने में मदद करती है, जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार होता है और वे आर्थिक रूप से अधिक सुरक्षित महसूस करती हैं।

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429 Volume 5, Issue 1, July 2025 Impact Factor: 7.67

उद्देश्य

महतारी वंदन योजना के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं-

महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण - महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करके उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना और उनकी क्रय शक्ति में वृद्धि करना।

स्वास्थ्य और पोषण में सुधार - वित्तीय सहायता से महिलाओं और उनके परिवारों के लिए बेहतर स्वास्थ्य और पोषण सुनिश्चित करना।

लैंगिक समानता को बढ़ावा देना - महिलाओं को वित्तीय रूप से सशक्त करके परिवार और समाज में उनकी निर्णय लेने की क्षमता को मजबूत करना।

सामाजिक सुरक्षा - कमजोर और वंचित महिलाओं को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करना।

वित्तीय समावेशन - बैंक खातों के माध्यम से प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (DBT) के माध्यम से महिलाओं को औपचारिक वित्तीय प्रणाली से जोड़ना।

पात्रता मानदंड

इस योजना के तहत पात्रता मानदंड आमतौर पर इस प्रकार हैं -

लाभार्थी छत्तीसगढ़ राज्य की मूल निवासी होनी चाहिए।

लाभार्थी विवाहित महिला होनी चाहिए।

लाभार्थी की आयु 21 वर्ष से अधिक होनी चाहिए।

कुछ आय सीमा या अन्य सामाजिक–आर्थिक मानदंड भी लागू हो सकते हैं, जिनका विवरण योजना के आधिकारिक दिशानिर्देशों में होता है।

कार्यान्वयन प्रक्रिया

योजना का कार्यान्वयन एक सुव्यवस्थित प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है, जिसमें ऑनलाइन आवेदन, दस्तावेज सत्यापन और सीधे बैंक हस्तांतरण शामिल हैं। यह प्रक्रिया सुनिश्चित करती है कि लाभार्थियों को बिना किसी बिचौलिए के सीधे लाभ मिले, जिससे पारदर्शिता और दक्षता बढ़ती है। डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करके आवेदन प्रक्रिया को सरल बनाया गया है, जिससे दूरस्थ क्षेत्रों की महिलाएं भी आसानी से आवेदन कर सकें।

बजट में प्रावधान

छत्तीसगढ़ सरकार ने 2024–25 के बजट में महतारी वंदन योजना के लिए पर्याप्त बजट 5500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। यह दर्शाता है कि सरकार महिलाओं के वित्तीय सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। बजट प्रावधान से योजना के सुचारू कार्यान्वयन और इसके उद्देश्यों की प्राप्ति में मदद मिलेगी। इस योजना के लिए बजट में लगातार वृद्धि की जा रही है। यह योजना छत्तीसगढ़ सरकार की सभी महिलाओं को सम्मान देने हेतु महत्वपूर्ण पहल है।

महतारी वंदन योजना का सुशासन में योगदान

सुशासन एक बहुआयामी अवधारणा है जिसमें पारदर्शिता, जवाबदेही, भागीदारी, दक्षता और कानून का शासन जैसे सिद्धांत शामिल हैं। सरकार, निजी क्षेत्र और नागरिक समाज संगठनों द्वारा सार्वजनिक मामलों का प्रबंधन इस तरह से करना कि यह न्यायसंगत, और प्रभावी हो। इसका मतलब है कि निर्णय लेने की प्रक्रिया में सभी हितधारकों की भागीदारी हो, और निर्णय इस तरह से लिए जाएं जो सभी के लिए समान रूप से फायदेमंद हों। महतारी वंदन योजना इन सिद्धांतों को विभिन्न तरीकों से मजबूत करती है-

पारदर्शिता और जवाबदेही

प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (DBT) - योजना में प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण का उपयोग किया जाता है, जिसका अर्थ है कि वित्तीय सहायता सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में जमा की जाती है। यह बिचौलियों की भूमिका को समाप्त करता है, भ्रष्टाचार की

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429 Volume 5, Issue 1, July 2025 Impact Factor: 7.67

संभावना को कम करता है और फंड के डायवर्जन को रोकता है। इससे योजना के कार्यान्वयन में उच्च स्तर की पारदर्शिता आती है।

डिजिटल सिस्टम - ऑनलाइन आवेदन और ट्रैकिंग सिस्टम लाभार्थियों और आम जनता को योजना की स्थिति और प्रगति की निगरानी करने में सक्षम बनाते हैं, जिससे सरकार की जवाबदेही बढ़ती है।

दक्षता और प्रभावशीलता

लक्ष्यीकरण - योजना का लक्ष्य गरीब और जरूरतमंद महिलाओं तक पहुंचना है, यह सुनिश्चित करते हुए कि संसाधन उन लोगों तक पहुंचें जिन्हें उनकी सबसे अधिक आवश्यकता है। प्रभावी लक्ष्यीकरण योजना की दक्षता को बढ़ाता है।

संसाधनों का इष्टतम उपयोग - सीधे नकद हस्तांतरण से प्रशासनिक लागत कम होती है जो पारंपरिक कल्याणकारी योजनाओं में अक्सर होती है, जहां वस्तुओं और सेवाओं की खरीद और वितरण में भारी लागत आती है।

त्वरित वितरण - डिजिटल माध्यमों से भुगतान त्वरित और कुशल वितरण सुनिश्चित करता है, जिससे लाभार्थियों को समय पर सहायता मिलती है।

भागीदारी और समावेशन

वित्तीय समावेशन - योजना के तहत बैंक खाता खोलना आवश्यक है, जिससे कई महिलाएं, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में, पहली बार औपचारिक वित्तीय प्रणाली से जुड़ती हैं। यह वित्तीय साक्षरता और समावेशन को बढ़ावा देता है।

महिलाओं की भागीदारी - आर्थिक रूप से सशक्त होने से महिलाएं परिवार और समुदाय के निर्णयों में अधिक सक्रिय रूप से भाग ले पाती हैं। यह उनके आत्मविश्वास और सामाजिक स्थिति को बढ़ाता है।

वंचित वर्गों तक पहुंच - यह योजना विशेष रूप से ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाओं को लक्षित करती है, जिससे उन्हें समाज की मुख्य धारा में लाया जा सके।

न्यायसंगत और समानता

लैंगिक समानता - महतारी वंदन योजना लैंगिक समानता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। महिलाओं को आर्थिक स्वायत्तता प्रदान करके, यह उन्हें पुरुषों पर अपनी निर्भरता कम करने और अपने जीवन के बारे में निर्णय लेने में सक्षम बनाती है।

आय असमानता को कम करना - निम्न–आय वर्ग की महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करके, यह योजना आय असमानता को कम करने में मदद करती है और समाज में धन के अधिक न्यायसंगत वितरण को बढ़ावा देती है।

कानून का शासन और शिकायत निवारण

नियम–आधारित कार्यान्वयन - योजना विशिष्ट पात्रता मानदंड और प्रक्रियाओं पर आधारित है, जो मनमानी को कम करती है और यह सुनिश्चित करती है कि सभी के साथ समान व्यवहार किया जाए। यह कानून के शासन के सिद्धांत को मजबूत करता है।

शिकायत निवारण तंत्र - किसी भी सरकारी योजना के सफल कार्यान्वयन के लिए एक प्रभावी शिकायत निवारण तंत्र आवश्यक है। महतारी वंदन योजना में शिकायत निवारण के लिए स्पष्ट प्रक्रियाएं शामिल होंगी, जिससे लाभार्थियों को किसी भी समस्या या शिकायत के मामले में सहायता मिल सके। यह विश्वास और पारदर्शिता को बढ़ाता है।

महतारी वंदन योजना के संभावित प्रभाव और चुनौतियां

संभावित सकारात्मक प्रभाव

जीवन स्तर में सुधार - प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता से परिवारों की क्रय शक्ति बढ़ेगी, जिससे भोजन, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी जरूरतों तक पहुंच बेहतर होगी।

महिलाओं का स्वास्थ्य और शिक्षा - महिलाएं अपने स्वास्थ्य पर अधिक खर्च कर सकेंगी और अपने बच्चों की शिक्षा के लिए बेहतर अवसर प्रदान कर सकेंगी।

घरेलू हिंसा में कमी - आर्थिक स्वतंत्रता अक्सर महिलाओं को घरेलू हिंसा से बाहर निकलने और आत्मनिर्भर बनने में मदद करती है।

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429 Volume 5, Issue 1, July 2025 Impact Factor: 7.67

स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा - महिलाओं द्वारा प्राप्त धन का उपयोग स्थानीय बाजारों में किया जाएगा, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा।

सामाजिक पूंजी का निर्माण - स्वयं सहायता समूहों या सामुदायिक स्तर पर महिलाओं को एक साथ आने और अनुभव साझा करने के लिए प्रेरित कर सकता है।

संभावित चुनौतियां

जागरूकता का अभाव - दूरदराज के क्षेत्रों में महिलाओं को योजना के बारे में पूरी जानकारी न होना एक चुनौती हो सकती है। व्यापक प्रचार और जागरूकता अभियान महत्वपूर्ण होंगे।

तकनीकी बाधाएं - ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट कनेक्टिविटी और डिजिटल साक्षरता की कमी ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया में बाधा बन सकती है।

पहचान और सत्यापन - पात्र लाभार्थियों की सही पहचान और उनके दस्तावेजों का सत्यापन एक बड़ी प्रशासनिक चुनौती हो सकती है।

दीर्घकालिक स्थिरता - योजना के लिए निरंतर वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराना एक चुनौती हो सकती है, खासकर राज्य के बजट पर इसके दीर्घकालिक प्रभाव को देखते हुए।

निष्कर्ष

छत्तीसगढ़ शासन की महतारी वंदन योजना महिलाओं के सशक्तिकरण और छत्तीसगढ़ में सुशासन को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और महत्वाकांक्षी पहल है। प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता के माध्यम से, यह योजना न केवल महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करती है बल्कि उन्हें समाज में अधिक सक्रिय और निर्णय लेने वाली भूमिका निभाने में भी सक्षम बनाती है। पारदर्शिता, जवाबदेही, दक्षता और समावेशन के सिद्धांतों को अपनाकर, यह योजना सुशासन के मानकों को ऊंचा उठाती है। हालांकि, योजना की पूर्ण सफलता के लिए इसके प्रभावी कार्यान्वयन, व्यापक जागरूकता अभियानों, तकनीकी बाधाओं को दूर करने और निरंतर निगरानी की आवश्यकता होगी। यदि इन चुनौतियों का प्रभावी ढंग से समाधान किया जाता है, तो महतारी वंदन योजना छत्तीसगढ़ में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने, वित्तीय समावेशन बढ़ाने और समग्र रूप से एक अधिक न्यायसंगत और प्रगतिशील समाज के निर्माण में एक मील का पत्थर साबित हो सकती है। यह योजना न केवल लाभार्थियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएगी, बल्कि यह छत्तीसगढ़ को एक सुशासित और समावेशी राज्य के रूप में स्थापित करने में भी महत्वपूर्ण योगदान देगी।

ACKNOWLEDGMENT

मैं अपने महाविद्यालय की प्राचार्य मैडम और समस्त प्राध्यापकों की आभारी हूं जिन्होंने मुझे इस शोध पत्र को बनाने हेतु प्रेरित किया।

REFERENCES

[1]. महतारी वंदन योजना pdf file.
[2]. भारत सरकार, नीति आयोग. (2018). Strategy for New India @ 75.
[3]. छत्तीसगढ़ शासन, महिला एवं बाल विकास विभाग. (नवीनतम). 'महतारी वंदन योजना के दिशानिर्देश और नियमावली'।
[4]. UNDP- (2016). सुशासन की अवधारणा और मानव अधिकारों पर इसके प्रभावों की सैद्धांतिक समझ।
[5]. Dreze J. & Sen A. (2013). An Uncertain Glory: India and its Contradictions- Princeton University Press.
[6]. World Bank (2018). "The World Bank's, Work on Gender".
[7]. छत्तीसगढ़ सरकार बजट (2024 - 25)